खबर संक्षेप

माई नदी सफाई अभियान का दिखने लगा असर

कटनी। कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देशानुसार जिला प्रशासन आयुक्त नगर निगम एवम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के मार्गदर्शन में 1 मई से माई नदी पुनर्जीवन मिशन चलाया जा रहा है जिसमें नदी सफाई के साथ साथ नदी में सीधे मिलने वाले नालों के प्राथमिक उपचार की शुरुआत माई घाट के पास की गई है। प्राथमिक उपचार से माई घाट के पास नदी के पानी की गुणवत्ता के सकारात्मक परिणाम सामने आए है, नगर निगम के केमिस्ट द्वारा बताया गया कि नदी का पानी जो कि पहले काला (ब्लैक) हुआ करता था वर्तमान में भूरा(ग्रे) हो गया है। इसके अलावा जिस पानी की पी. एच. मानक पर वैल्यू, जो कि पहले लगभग 5-6 थी, वर्तमान में 7.9 आयी है जो कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानक की सीमा में है, जिससे स्पष्ट है की आगामी समय में उक्त अभियान के और सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

गेंहूं एवं दाल स्टॉक की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने संबंधी बैठक आज

कटनी। भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर जिले के व्यापारियों द्वारा गेंहूं स्टॉक की जानकारी तथा तुअर और उड़द पर स्टॉक सीमा निर्धारित किये जाने तथा तुअर और उडद के साथ मसूर के स्टॉक की जमाखोरी को रोकनें के संबंध में भारत सरकार के ऑनलाईन पोर्टल पर व्यापारियों द्वारा दालों के स्टॉक की जानकारी प्रति शुक्रवार धोषित को घोषित की जानी है। इस संबंध में कृषि उपज मंडी एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन में पंजीकृत समस्त गेंहूं व्यापारियों की बैठक गुरूवार 9 मई को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह परिहार नें अध्यक्ष गेंहूं व्यापारी संघ, अध्यक्ष तुअर, उड़द, चना, मूंग, मसूर दाल एसोसिएशन एवं समस्त गेंहूं तथा तुअर, उड़द, चना, मूंग, मसूर व्यापारियों को आयोजित बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने हेतु सूचित किया है।

दुराचार के आरोपी को 10 साल का सश्रम कारावास

कटनी। युवती से दुराचार के मामले में विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम राजेन्द्र कुमार शर्मा के न्यायालय ने आरोपी अमित उर्फ सोनू जायसवाल 30 पिता दिनेश जायसवाल निवासी टेढ़ी बाजार गाजीपुर उप्र को 10 साल के सश्रम कारावास एवं पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित करने का आदेश पारित किया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक जियालाल चौधरी ने पैरवी की। पीड़िता एवं आरोपी की पांच साल पहले कटनी में मुलाकात हुई थी। आरोपी युवती को बहला-फुसलाकर खाना खाने के बहाने एक धर्मशाला में ले गया और शादी का झांसा देकर पीड़िता से शारीरिक संबंध में बनाए। बाद में आरोपी शादी करने से मुकर गया। युवती की शिकायत पर महिला थाना में प्रकरण दर्ज कर विवेचना के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय ने पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं अभियोजन के तर्कों से सहमत होते ही आरोपी को धारा 376 (2) (एन) में दोष सिद्ध पाते हुए उपरोक्तानुसार दंडित करने का आदेश पारित किया।

घुघरी ग्राम पंचायत का मामला, जलस्तर कम होने से हैंडपंपों से कम निकल रहा पानी

डेढ़ महीने से पानी के लिए ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

घुघरी गांव में जिम्मेदारों की बेपरवाही के चलते ग्रामीणों को डेढ़ महीने से पानी नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता है। गांव से गुजरी बेलकुण्ड नदी के सूखने से जल स्तर भी कम हो गया है। जिसके बाद गांव में लगे हैंडपंप भी दम तोड़ने लगे हैं। गांव के सोनू नामदेव,लखन नामदेव, विनोद बर्मन,श्याम सिंह ठाकुर सहित अन्य लोंगों ने बताया कि गांव में 25 मार्च से नलों में पानी नहीं आ रहा है। भीषण गर्मी में लोगों को पीने का पानी नहीं मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से शिकायत की,लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। गर्मी में दूर से पानी लाने ग्रामीण मजबूर हैं।

योजना का नहीं मिल रहा लाभ

गांव के जगत सिंह ठाकुर,राजेन्द्र रजक,मोहम्मद शकील ने बताया कि सरकार की नल जल योजना के तहत ग्रामीणों के घरों तक पानी पहुँचे, इसके लिए गांव में घर घर नल कनेक्शन किये गए हैं। गांव में पानी की टंकी का निर्माण भी कराया गया है। ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिलने से सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का कोई मतलब नहीं है। घर घर पानी पहुँचाने के लिए बोर किया गया। बोर बंद है।जिससे ही गांव में पानी की समस्या बनी हुई है।ग्रामीणों ने बताया कि गांव में दो बोर है, दोंनो बोर खराब पड़े हैं। जिससे कि ग्रामीणों के घरों तक पानी नहीं पहुँच रहा है। गांव में लगे हैंडपंपों और निजी नलकूपों से पानी लाने ग्रामीण मजबूर हैं। गांव से सटकर बेलकुण्ड नदी निकली है। नदी में भी पानी नहीं है। पानी का स्तर नीचे होने से हैंडपंपों से पानी कम निकल रहा है। ऐसे में ग्रामीणों की समस्या और अधिक बढ़ गई है। डेढ़ महीने का समय बीत गया लेकिन पानी की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत के जिम्मेदार गंभीर है न तो पीएचई विभाग के अधिकारी।गर्मी के इस मौसम में पानी के न मिलने से गांव के लोग दिक्कत में है।निजी नलकूपों से पानी लाने में भी लोंगों में बहस और लड़ाई होती है। ग्रामीणों ने बताया कि 15 दिनों पहले विभागीय अधिकारियों ने नल जल योजना की टंकी के बोर से पानी की सप्लाई शुरू कराया। पानी की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में नहीं हो पा रही है। अब भी ग्रामीण दूसरों पर पानी के लिए आश्रित है।

ग्रामीणों ने बताया कि जब तक गांव में नवीन बोर नहीं होगा,तब तक नल जल योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिलेगा। बोर होने से ही ग्रामीणों को हो रही पेयजल समस्या दूर होगी। इसलिए ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से समस्या को लेकर शिकायत करते हुए गांव में नवीन बोर खनन कराने की मांग किया है। ताकि गांव में पानी की सप्लाई हो सके और लोगों के घरों तक पानी पहुँचे।पीएचई विभाग के एसडीओ विकल्प पटेल ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत ने अपने स्तर पर काम कर लिया है। बोर जाम हो चुका है।सफाई होना है। नवीन बोर कराने की भी प्रक्रिया चल रही हैं।

इनका कहना है

इस संबंध में कार्यपालन यंत्री, पीएचई के.एस. डामोर ने बताया कि घुघरी में नवीन बोर होना है।इसके लिए कलेक्टर से परमिशन ली गई है।ठेकेदार से भी चर्चा की गई है। तीन-चार दिन में नवीन बोर होगा। बोर होने की बाद ही ग्रामीणों को नल जल योजना का लाभ मिलेगा।चुनाव के चलते नवीन बोर खनन नही हो सका,इसलिए कुछ समय लग गया है।

सुरक्षा बलों को मुस्तैद रह कर निगरानी के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण व्यवस्थाओं के निर्देश

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद ने बुधवार की शाम कृषि उपज मंडी पहरुआ परिसर स्थित स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखी गई ईव्हीएम , व्हीव्हीपेट मशीनों के स्थल का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

कलेक्टर श्री प्रसाद ने निरीक्षण के दौरान सीसी टी व्ही कैमरों एवं एल ई टीव्ही की जांच की जाकर मुस्तैद सुरक्षा प्रहरियों को सुरक्षा व्यवस्था को चाक -चौबंद रखने के निर्देश दिए।

बताते चलें की कटनी के कृषि उपज मंडी परिसर में स्ट्रांग रूम में जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों क्रमशः बडवारा,मुड़वारा, बहोरीबंद और विजयराघवगढ़ का स्ट्रांग रूम बनाया गया हैं। शहडोल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बडवारा विधानसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है और खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली तीन विधानसभा क्षेत्रों में 26 अप्रैल को मतदान हुआ है।इनकी कड़ी निगरानी और सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे सुरक्षा बलों द्वारा पहरेदारी की जा रही है।

जमुनहा तालाब में मगर को पकड़ने नहीं मिली सफलता

पिंजरे में रखे मुर्गे खा गया मगरमच्छ, मिट्टी में पैर पड़ते ही पानी में चला गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

उमरियापान के जमुनहा तालाब में मगरमच्छ पकड़ने के लिए बुधवार को दूसरे दिन भी वाइल्ड लाइफ की टीम ने दिनभर रेस्क्यू किया। लेकिन मगरमच्छ पकड़ में नहीं आ पाया।हालांकि देरशाम मगरमच्छ पिजरें के समीप आता हुआ दिखाई दिया। रेस्क्यू टीम में शामिल वनरक्षक भगवान राम गुप्ता,रामविनोद मांझी,वन्य प्राणी प्रेमी धनंजय घोष और नमन चौरसिया ने सुबह से जमुनहा तालाब पहुँचकर मगरमच्छ पकड़ने की कारवाई किया।बाहर रखे पिंजरे को तालाब के अंदर पानी में रखा। मगरमच्छ को खाने के लिए उसका चारा (कई मुर्गे) रखे। क्षेत्र में हल्ला गुहार न हो,मौके पर भीड़ जमाए लोगों को वहाँ से हटाया।कार्रवाई में वन विभाग का अमला भी शामिल रहा। रेस्क्यू टीम ने बताया कि मगरमच्छ पकड़ने के लिए पहले दिन तालाब में पानी के बाहर पिंजरा लगाकर मगरमच्छ को खाने के लिए चारा रखा गया था। पिजरें का बाहर का पूरा चारा मगरमच्छ ने खा लिया। मिट्टी में पैर पड़ते ही वह पानी के अंदर चला गया। इसके चलते दूसरे दिन पानी के अंदर रेम्प बनाकर पिंजरे को रखा गया है। पर्याप्त मात्रा में चारा रखा गया। मगरमच्छ पकड़े जाने की कार्रवाई जारी है। उमरियापान के जमुनहा तालाब में बीते दो महीने पहले से प्रतिदिन लोगों को मगरमच्छ दिखाई देने के बाद ग्रामीणों और किसानों में दहशत का माहौल है। मगरमच्छ होने से तालाब में पानी के भीतर सिंघाड़ा की खेती करने वाले और पान बरेजा तैयार कर पानी सिंचाई करने वाले किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी है।

समाजसेवी विजय दुबे, जगन्नाथ मांझी, नमन चौरसिया, रामजी बर्मन ने ढीमरखेड़ा वन परिक्षेत्र अधिकारी अजय कुमार मिश्रा को शिकायत देकर जमुनहा तालाब से मगरमच्छ को पकड़ाकर अन्यंत्र स्थान पर छुड़वाने की मांग किया।जिसके बाद मगरमच्छ को पकड़ने वन विभाग ने रेस्क्यू टीम को बुलाया।

दो दर्जन से अधिक वाहन चालकों पर हुई कार्रवाई

यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही करने कोतवाली पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। बस स्टैंड के समीप वाहन चालकों के खिलाफ जुर्माना कार्यवाही की। कार्यवाही करते हुए कोतवाली पुलिस के द्वारा लगभग दो दर्जन से अधिक वाहनों पर कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में तथा कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा के नेतृत्व में एएसआई शशिभूषण दुबे, आरक्षक राहुल तिवारी, नगर सैनिक श्रवण कुमार मिश्रा एवं अन्य सहयोगी स्टाफ के द्वारा बस स्टैंड के समीप विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बगैर हेलमेट एवं बिना दस्तावेजों के वाहन चलाने वाले दो पहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई। कार्यवाही के क्रम में लगभग दो दर्जन से अधिक वाहन चालकों पर कार्यवाही करते हुए जुर्माना वसूल किया गया।

कलश शोभायात्रा के साथ लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्रीमद भागवत कल से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्वामी वेंकटेशाचार्य महाराज के सानिध्य में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ आयोजन समिति द्वारा ग्राम हीरापुर कोडिया स्थित मां काली माता की मढिया में आगामी 10 मई से 17 मई तक श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे अनन्त श्री विभूषित स्वामी श्री वेंकटेशाचार्य जी महाराज भागवत कृपा निकुंज प्रमोदवन चित्रकूट धाम द्वारा प्रवचनों की अमृतवर्षा की जाएगी। धार्मिक आयोजन की शुरूआत कल 9 मई गुरुवार को 3.30 बजे कलश शोभायात्रा से होगी।

कलश शोभायात्रा गांव का भ्रमण करते हुए आयोजन स्थल पहुंचेगी। इसी कड़ी में 10 मई शुक्रवार को प्रातः प्रायश्चित स्नान, पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश एवं प्रथम दिवस श्रीमद्भागवत महात्म कथा का वर्णन आसंदी से किया जाएगा। इसी तरह 11 मई शनिवार को मंडप पूजन, विविध पाठ, अग्नि स्थापन, हवन, मंगलाचरण कुंती, भीष्म स्तुति, परीक्षित जन्म, शुकदेव आगमन की कथा, 12 मई रविवार को विदुर चरित्र, कपिल उपाख्यान, जड़भरत चरित्र प्रहलाद चरित्र की कथा, 13 मई सोमवार को मन्वन्तरों की कथा, समुद्रमंथन, श्री राम जन्मोत्सव, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा, 14 मई मंगलवार को बाललीलाए माखनचोरी, छप्पनभोग की कथा, 15 मई बुधवार को रासलीला, कंस उद्धार, श्रीकृष्ण रूकमणि मंगल महोत्सव की कथा, 16 मई गुरूवार को सुदामा चरित्र, धर्मोपदेश, कथा विश्राम, चढ़ोत्री 17 मई शुक्रवार को अष्टम दिवस प्रातः 7 बजे से पूजन, हवन, पूर्णाहुति, विशाल भंडारा आयोजित किया गया है। कथा का समय सायं 4 बजे से रहेगा। श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ आयोजन समिति एवं समस्त ग्रामवासियों ने श्रद्धालुओं से आयोजन में पहुंचकर पुण्यलाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

पंचायत व विकासखंड स्तर पर समितियों का किया जाएगा गठन

जैव विविधता से होने वाले फायदों एवं उद्देश्यों और नियमों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जैव विविधता प्रबंधन समितियों के सक्रियकरण एवं लोक जैव विविधता पंजी के निर्माण एवं लाभ प्रभाजन को लेकर उमरियापान वन विभाग कार्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत में जैव विविधता से संबंधित एक लघु फिल्म दिखाई गई।

मास्टर ट्रेनर मोहन नागवानी,आर.एल. निगम और वनरक्षक सुधांशु तिवारी ने जैव विविधता और इससे होने वाले लाभ,जैव विविधता संबधी अधिनियम नियम एवं विनियम,इसके उद्देश्यों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब ग्राम पंचायत स्तर पर जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी)का गठन होगा। इसके बाद विकासखण्ड स्तर पर समिति बनाई जाएगी।समितियों में पांच सदस्य शामिल रहेंगे।जैव विविधता प्रबंधन समितियों के परामर्श और सहयोग से, विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में जैविक संसाधनों का आविष्कार करने के लिए ग्राम सभा स्तर पर लोगों की जैव विविधता रजिस्टर (पीबीआर) तैयार होगी। उन्होंने आगे बताया कि वन्य जीवन और जैव विविधता संरक्षण के लिए सार्वजनिक भागीदारी आवश्यक है यदि यह व्यापक और स्थायी हो।जैव विविधता प्रबंधन समिति का प्रमुख कार्य स्थानीय लोगों के परामर्श से लोक जैव विविधता पंजी तैयार करना हैं। इस पंजी में स्थानीय जैविक संसाधनों की उपलब्धता और ज्ञान के साथ -साथ उनके चिकित्सीय और अन्य उपयोगों पर विस्तृत जानकारी का समावेश होगा। इसके अलावा मास्टर ट्रेनरों ने जैव विविधता के निर्माण, इससे होने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ, इसके प्रकार, उपयोग और संरक्षण सहित जैव विविधता से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस मौके पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, सरपंच अटल ब्यौहार, नमन चौरसिया, सुशील कोरी मौजूद थे।

गैर आदिवासी के नाम किये गये नामांतरण को कलेक्टर ने किया निरस्त

आदिवासियों की जमीन हड़प करने वाले भूमाफियाओं में हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

ग्राम बडवारा स्थित खसरा नंबर 17 रकवा 0.60 हेक्टेयर आदिवासी के पट्टे की जमीन को अवैधानिक प्रक्रिया अपनाकर ग़ैर आदिवासी के नाम नामांतरण करवाकर भूमि की बिक्री करने के एक प्रकरण में न्यायालय कलेक्टर कटनी ने ग़ैर आदिवासी के नाम किये गये नामांतरण को निरस्त करते हुए मप्र भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत तहसीलदार बडवारा को उपरोक्त भूमि को अंतरिम व्यवस्था के तहत शासकीय मद में दर्ज किए जाने का आदेश पारित किया है।

कलेक्टर न्यायालय ने बड़वारा स्थित भूमि खसरा नंबर 17 कुल रकबा 0.60 हेक्टेयर आदिवासी भूमि -स्वामी संतराम कोल के स्वत्व की भूमि मेहरून्निशा ख़ान के नाम पर कैसे आई के संबंध में प्राप्त शिकायत की जांच हेतु अनुविभागीय अधिकारी कटनी को निर्देशित किया था। इसके बाद हल्का पटवारी को अभिलेखीय जांच हेतु पत्र जारी किया गया। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी कटनी द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। साथ ही मेहरून्निशा निवासी बडवारा, रमेश कुमार बजाज पिता नरसिंह दास बजाज निवासी हनुमानगंज कटनी,सुमन कोल पिता संतराम कोल,सत्तोबाई पति संतराम कोल और आशीष कुमार गुप्ता पिता महेंद्र गुप्ता बडवारा को नोटिस जारी करते हुए इश्तहार प्रकाशित कराया गया।

यह है मामला

तत्कालीन पटवारी मोहन सिंह बरकडे द्वारा दिए गए प्रतिवेदन में बताया गया कि बडवाराकला स्थित भूमि खसरा नंबर,17 रकवा 0.60 हैक्टेयर भूमि वर्तमान खसरा में रमेश कुमार बजाज पिता नरसिंह दास बजाज निवासी हनुमानगंज कटनी के नाम भूमि-स्वामी स्वत्व में दर्ज है। जबकि यह जमीन वर्ष 1988-89 में आदिवासी संतराम कोल पिता हिंदरई के नाम दर्ज थी। इसके बाद फौती नामांतरण के माध्यम से यह जमीन गैर आदिवासी मेहरू न्निशा ख़ान पति संतराम कोल साकिन देह भूमि के नाम पर दर्ज हो गई। चूंकि किसी व्यक्ति की जाति, जन्म के आधार पर तय होती है। इसलिए नियमतः आदिवासी की जमीन अल्पसंख्यक मेहरुन्निशा के नाम पर नहीं होनी थी। मेहरुन्निशा के नाम जमीन दर्ज हो जाने के बाद, मेहरून्निशा ने इसकी पावर आफ अटार्नी बडवारा निवासी आशीष कुमार गुप्ता को दे दी। जिन्होंने इस जमीन को रमेश कुमार बजाज पिता नरसिंह दास बजाज निवासी हनुमानगंज कटनी को भूमि बेंच दी। रमेश कुमार बजाज ने इस जमीन को 30 जुलाई 2014 को समिधा त्रिपाठी पति राजेश त्रिपाठी निवाउसी मदनमोहन चौबे वार्ड कटनी को बेंच दिया। इस प्रकार कलेक्टर न्यायालय ने एक आदिवासी की जमीन को अवैधानिक तौर पर गैर आदिवासी को बेचना पाये जाने पर नामांतरण निरस्त करते हुए भूमि शासकीय मद में दर्ज करने का आदेश पारित किया है।

कलेक्टर ने ये दिया आदेश

कलेक्टर न्यायालय ने इस प्रकरण में विधिसम्मत सूक्ष्म परीक्षण के बाद ग्राम बडवारा स्थित खसरा नंबर 17 रकवा 0.60 हेक्टेयर भूमि का नामांतरण निरस्त करने और म0प्र0 भू-राजस्व संहिता में विहित प्रावधानों के तहत अंतरिम व्यवस्था के रूप में भूमि शासन मद में दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया है।

पिकअप और बाइक के बीच हुई टक्कर, युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बुधवार को बड़वारा थाना क्षेत्र के रोहनिया बाईपास के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में पिकअप और मोटरसाइकिल में जोरदार भिड़ंत हो गई। घटना में बाइक चालक को गंभीर चोटें आ गई। वहीं राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। वहीं पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। जानकारी के मुताबिक बाइक क्रमांक एमपी 21 जेडबी 3201 का चालक युवक हादसे का शिकार हुआ है। मृतक युवक की पहचान करने की का प्रयास बड़वारा पुलिस कर रही है। खबर लिखे जाने तक पुलिस के द्वारा मृतक की पहचान नहीं की जा सकी थी।

खबर संक्षेप

निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 12 मई को

कटनी। श्री गहोई वैश्य समाज एवं शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में जी.डी. मैमोरियल हॉस्पिटल, डन कालोनी,बरगवां कटनी मैं एक विशाल निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 12/5/24 दिन रविवार को रखा गया है शिविर में शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर के प्रसिद्ध अस्थिरोग रोग एवं ज्वाइन्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास सावला, ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ.अशीष तिवारी, मस्तिष्क एवं स्पाईन रोग विशेषज्ञ डॉ. एम. के. शेरेकर, जनरल सर्जन डॉ. समीर सिंघई, मेडीकल विशेषज्ञ डॉ.नीरज बडेरिया, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.चारू पाठक, केन्सर विशेषज्ञ डॉ. मालती भगत, एवं शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक चौदहा, डॉ.शोभित चौदहा, डॉ.अनमोल चौदहा, द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जावेगा ई.सी.जी., ब्लड शुगर, बी.एम.डी. टेस्ट निःशुल्क किया जावेगा इसके अतिरिक्त इदिरा आई.वी.एफ. सेंटर जबलपुर द्वारा निसंतान्ता दंपत्ति का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक सलाह एवं ईलाज प्रदान किया जावेगा।

परीक्षा हेतु नियुक्त किया नोडल अधिकारी

कटनी। कलेक्टर अवि प्रसाद नें एक आदेश जारी कर परीक्षा सत्र 2024-25 की परीक्षा हेतु अनिल कुमार चक्रवर्ती, प्राचार्य, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निटर्रा विकासखण्ड रीठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा जारी आदेश में नोडल अधिकारी श्री चक्रवर्ती को मण्डल द्वारा संचालित हाई स्कूल की कक्षा 10वीं एवं हायर सेकेण्डरी 12वीं सहित स्थानीय परीक्षा 9वीं एवं 11 वीं के परीक्षा के सुधार लानें की कार्ययोजना तैयार करने के साथ ही अन्य गतिविधियों के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया है।

आईटीआई में ऑनलाईन प्रवेश की अंतिम तिथि 20 मई

कटनी। जिले की शासकीय आईटीआई कटनी, बरही (बड़वारा), ढीमरखेड़ा (उमरिया पान) रीठी, कैमोर, बहोरीबंद एवं विजयराघवगढ़ में संचालित एनसीव्हीटी, एससीव्हीटी व्यवसाय इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मोटर मैकेनिक, वेल्डर, कारपेंटर, मैकेनिक डीजल, स्टेनों हिन्दी, कोपा, ड्रेस मेकिंग, सोलर टेक्नीशियन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी इंटरनेट के माध्यम अपने स्तर से अथवा एमपी ऑनलाईन के अधिकृत सहायता केन्द्रो से आवेदन कर सकते है। शासकीय आईटीआई कटनी के प्राचार्य रंजीत कुमार रोहितास ने बताया कि प्रवेश विवरणिका कौशल विकास संचालनालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता 8 वीं एवं 10 वीं है। प्रवेश की अंतिम तिथि 20 मई 2024 है। अधिक जानकारी हेतु अपनी नजदीकी आईटीआई में संपर्क किया जा सकता है।

अमीरगंज तालाब का कराया जा रहा सौंदर्यीकरण कार्य

कटनी। शासन के निर्देशानुसार झीलों के संरक्षण एवम विकास योजना अंतर्गत तथा वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व जल संचयन के उपाय हेतु नगर निगम द्वारा विभिन्न जल स्त्रोतों के सफाई और पुनर्जीवन कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में निगमायुक्त विनोद कुमार शुक्ल द्वारा बताया गया कि वर्तमान में अमीरगंज तालाब के उन्नयन, सौंदर्यीकरण] क्षमता संवर्धन, गहरीकरण सहित साफ सफाई तथा जीर्णोधार हेतु सौंदर्यीकरण अंतर्गत लगभग एक करोड़ रूपए की राशि से कार्य जारी है। उक्त कार्य से वर्षा जल संग्रहण] भूमिगत जलस्तर बढ़ाने के साथ साथ उक्त तालाब के संरक्षण विकास और नागरिकों को बेहतर प्राकृतिक वातावरण प्रदाय किए जाने का प्रयास निरंतर जारी है।

बुधवार दोपहर बाद अचानक बदला मौसम, तेज आंधी से विशाल पेड़ की शाखा टूटी

बादल छाये और आंधी के साथ बारिश होने से खुशनुमा हुआ मौसम, गर्मी से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बुधवार को दोपहर के बाद मौसम अचानक से बदल गया। आसमान में बादल छा गए। शाम करीब साढ़े पांच बजे से तेज हवाएं चलने लगी। कहीं रिमझिम तो कहीं बारिश की तेज बौछारें पड़ी। चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी से परेशान लोगों को थोड़ी राहत मिली। हल्की बारिश होने के बाद ठंडी हवाएं चलने से मौसम सुहाना हो गया। बारिश होने से लोगों के चेहरों भी मुस्कान देखी गई।

बुधवार की शाम तेज आंधी तूफान के कारण पीरबाबा कटनी नदी पुल के समीप एक इमली के पेड़ की विशालकाय डाल टूट कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जा गिरी। यह तो गनीमत रही कि जिस समय डाल टूट कर सड़क पर गिरी उस दौरान वहां से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था यदि ऐसा होता तो एक गंभीर हादसा हो सकता था। इमली की विशालकाय डाल टूट कर सड़क पर गिरने के कारण आवागमन प्रभावित हो गया। इस बात की सूचना पुलिस को मिली। यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए और राहत का कार्य शुरू कर दिया। यातायात कर्मियों की सक्रियता के चलते कुछ देर के अंदर ही सड़क पर टूटकर गिरी डाल को हटा दिया गया, जिससे आवागमन सुचारू हो गया।

यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे ने बताया कि बुधवार शाम लगभग साढ़े 5 बजे फोन पर सूचना मिली कि पीर बाबा कटनी नदी पुल के समीप एक इमली के पेड़ की बड़ी डाल टूटकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिर गई है जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन से प्राप्त निर्देशों के आधार पर तत्काल टीम को लेकर घटनास्थल पर पहुंच गए।

टहनी को हटाने के लिए तुरंत जेसीबी मशीन बुलवाई गई और मशीन की मदद से डाल को सड़क से हटाकर किनारे करवाया गया। समय रहते सड़क से डाल हटा लेने के कारण राहगीरों को ज्यादा असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा और जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हो सकी।

बारिश होने से आमजन को गर्मी से कुछ राहत मिली है। साथ ही मौसम भी सुहावना हो गया। बीते कुछ दिनों से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर व नीचे चल रहा था, जिससे भीषण गर्मी शरीर को झुलसा रही थी।

मशीन खराब होने से हफ्ते भर से नलों में नहीं आ रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

ग्राम पंचायत कैलवारा कला के ग्राम गंगोटी टोला में नल जल योजना के तहत घरों के बाहर किये गये नल कनेक्शन से पिछले एक सप्ताह से नलों में पानी न आने से नल सूखे पड़े हैं। नल जल योजना की व्यवस्था चरमरा गई है। ग्रामीणों को हो रही समस्या को लेकर लोगों ने विभागीय अधिकारियों से शिकायत भी की लेकिन उनकी समस्या का निदान अब तक नहीं किया जा सका। स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी समस्या के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि लगभग एक सप्ताह से मशीन खराब होने के कारण नल में पानी नहीं आ रहा है। जिसके कारण गर्मी में पानी की कमी से लोगों के हाल बेहाल है जिससे सभी की जीवन शैली प्रभावित हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में एक ही बोर है जिसके माध्यम से नल जल योजना के तहत सप्लाई दी जाती है एवं जिसमें पानी की कमी एवं किसी भी प्रकार की मशीनी खराबी होने पर अन्य जल स्त्रोत न होने के कारण लोगों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों द्वारा एक अन्य जल स्त्रोत की भी मांग की गई थी जिस पर संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा एक अन्य बोर करवाने कहा गया था जिस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। उन्होंने इस समस्या के संबंध में विभाग के संबंधित अधिकारियों को शिकायत भी की। शिकायत करने के बाद भी सुधार कार्य नहीं किया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से गुहार लगाई है।

सामग्री उपलब्ध कराने एवं श्रमदान करने जताई स्वेच्छा

माई नदी पुनर्जीवन अभियान को व्यापक स्वरूप देने विभिन्न संगठनों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला प्रशासन नगर निगम एवम शहर के नागरिकों द्वारा माई नदी को पुनर्जीवन प्रदान करने का एक व्यापक अभियान निरंतर चलाया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक दिन शहर के विभिन्न नागरिक आगे आकर श्रमदान कर अपनी सहभागिता दे रहे हैं। कलेक्टर श्री अवि प्रसाद के निर्देशानुसार निगम आयुक्त विनोद कुमार शुक्ल एवं एसडीएम प्रदीप शुक्ला की की उपस्थिति में बुधवार को शहर के विभिन्न सामाजिक व अन्य संगठनों के साथ बैठक आयोजित की गई ।

बैठक के दौरान माई नदी पुनर्जीवन को लेकर विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई कि किस प्रकार से जनता को नदी सफाई के प्रति जागरूक करने तथा विभिन्न सामग्री नदी में विसर्जित करने तथा प्लास्टिक पॉलीथिन आदि पानी में न फेकने हेतु जागरूक किया जा सकता हैं। साथ ही सभी उपस्थित नागरिको एवम संगठनों के द्वारा माई नदी पुनर्जीवन के संबंध में अपने अपने सुझाव रखे एवं पुनर्जीवन के दौरान लगने वाली विभिन्न सामग्री एवं उसकी उपलब्ध कराने में स्वेच्छा अनुसार सहयोग एवं श्रमदान हेतु अपनी स्वेच्छा व्यक्त की गई।

उक्त बैठक में भार्गव मिनरल्स केमिकल संगठन के द्वारा 500 किलोग्राम ब्लीचिंग पाउडर/ हाइड्रोक्साइड पाउडर प्रदाय कर उक्त पुनीत कार्य में सहयोग देने की सहमति जताई, इसके अलावा जियांट ग्रुप संगठन महिला शक्ति द्वारा दिनांक 9 मई को श्रमदान करने,समाजसेवी प्रकाश भूमिया द्वारा विलायतकलां के त्यागीजी महाराज को अभियान से जोड़ने की इच्छा व्यक्त कर आगे की कार्ययोजना शीघ्र प्रस्तुत करने की सहमति दी, साथ ही होप ग्रुप एवम अन्य संगठनों को जोड़ने का प्रयास करने की सहमति दी।उक्त बैठक के दौरान उपायुक्त पी के अहिरवार, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा,महाप्रबंधक उद्योग ज्योति चौहान, विवेक दुबे, सहायक यंत्री सुनील सिंह, उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

खुले में शराब पीने वालों को सिखाया सबक

पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती ख्याति मिश्रा तथा कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा के मार्गदर्शन में बस स्टैंड पुलिस के द्वारा शराबियों पर अंकुश लगाने के लिए कार्यवाही की गई। चौकी प्रभारी अंकित मिश्रा ने बताया कि बीते दिनों एक शराबी द्वारा एक नाबालिक पर बीयर की बोतल से हमला किए जाने एवं उसके दूसरे दिन दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष की घटना सामने आने के बाद बस स्टैंड के समीप स्थित शराब दुकान के आसपास खुले में शराब पीने वाले शराबियों को खदेड़ा। पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने के बाद शराब दुकान के आसपास सन्नाटा पसर गया। यह पहला अवसर था जब बस स्टैंड के समीप स्थित शराब दुकान के आसपास कोई शराबी दिखाई नहीं दिया, नहीं तो यहां पर हमेशा ही शराबियों का जमघट लगा रहता है।

सीमांकन प्रकरणों के निपटारे के मामले में ढीमरखेड़ा तहसील अग्रणी

सीमांकन प्रकरणों के निपटारे में तेजी लाने राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर जिले में लंबित सीमांकन प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान दो दिनों में अब तक 159 लंबित सीमांकन प्रकरण निराकृत किये जा चुके हैं। सीमांकन मामलों के निपटारे के नजरिए से ढीमरखेड़ा तहसील जिले में अग्रणी है।

सीमांकन प्रकरणों के निराकरण के मामले में जिले की ढीमरखेड़ा तहसील पहले स्थान पर है। यहां मात्र दो दिनों में ही अब तक 26 सीमांकन मामले निपटाए जा चुके हैं। वहीं बडवारा तहसील 25 सीमांकन मामलों का निपटारा कर दूसरे स्थान पर और रीठी तहसील 23 सीमांकन प्रकरणों को निराकृत कर तीसरे स्थान है।

वहीं विजयराघवगढ़ और कटनी नगर तहसील सीमांकन प्रकरणों के निपटारे के मामले में संयुक्त रुप से चौथे स्थान पर है।इन दोनों तहसीलों में 19-19 सीमांकन प्रकरण निराकृत किये जा चुके हैं। स्लीमनाबाद तहसील 15 सीमांकन प्रकरणों के निपटारे के साथ पांचवें पायदान पर है, तो बरही तहसील ने 14 प्रकरण निराकृत कर छठवें स्थान पर और कटनी तहसील में दो दिनों में केवल 13 सीमांकन मामले निपटाये गये। जिले की बहोरीबंद तहसील सीमांकन प्रकरणों के निराकरण में अंतिम पायदान पर है। यहां दो दिनों में सीमांकन के केवल 5 प्रकरण ही निराकृत हो सके हैं।

कलेक्टर श्री प्रसाद ने राजस्व अधिकारियों को सीमांकन प्रकरणों के निराकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बताते चलें कि कलेक्टर श्री प्रसाद ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में निर्देशित किया था कि वर्तमान में गेहूं की फसल की कटाई की जा चुकी है ऐसे में जून माह तक खेतों के खाली रहने की ही संभावना है। यह स्थिति सीमांकन करने के लिए आदर्श और बेहतर स्थिति है। इसलिए सभी राजस्व अधिकारी इस सहज और अनुकूल स्थिति में लंबित सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की दिशा में त्वरित और प्रभावी कार्यवाही करें। ताकि सीमांकन के सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण हो सके। इसके बाद सीमांकन प्रकरणों के निपटारे में तेजी आई है।

कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा की गई कार्यवाही

क्ले का अवैध परिवहन पर दो वाहनों से वसूला 95860 रूपये का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामलों में गंभीरता से कार्यवाही करने के दिए गए निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जाकर खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामलों पर लिप्त वाहनों से निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि भी जमा कराई जा रही है। एसे ही दो वाहनों में गौण खनिज क्ले का ओव्हर लोड कर अवैध परिवहन करते पाये जाने पर 95 हजार 860 रूपये का प्रशमन राशि जमा करानें के उपरांत वाहन मुक्त करनें की कार्यवाही की गई है।

जिला खनिज अधिकारी नें बताया कि विगत 1 मई 2024 को जिला सत्र न्यायालय कटनी के पास आकस्मिक निरीक्षण के दौरान हाईवा वाहन क्रमांक सी.जी. 04 पी.ई. 5333 से अनावेदक परिवहनकर्ता वाहन चालक, किशन कोल पिता मुन्ना कोल निवासी पडरेही विजराघवगढ़ , वाहन मालिक मनोज मिनरल्स ग्राइंडिंग कार्पोरेशन जितेन्द्र कुमार पटेल निवासी वार्ड क्रमांक 2 अमहपारा सेजबहार रायपुर छत्तीसगढ़

द्वारा 3.10 टन ओव्हरलोड क्ले का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर वाहन जप्त किया गया था। खनिज विभाग द्वारा उक्त कृत्य पर मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जाकर अनावेदक को निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि 44 हजार 446 रूपये जमा करने की सूचना प्रेषित की गई।

एक अन्य प्रकरण में 1 मई को ग्राम गुलवारा के पास आकस्मिक जांच के दौरान हाईवा वाहन क्रमांक सी.जी. 04 पी.ई. 4333 से अनावेदक परिवहनकर्ता वाहन चालक, देवीदीन दाहिया पिता प्रेमलाल दाहिया निवासी गोरबई मैहर जिला सतना वाहन मालिक मनोज मिनरल्स नई बस्ती कटनी 4.1 टन ओव्हरलोड क्ले का अवैध परिवहन करते पाए जाने वाहन को जप्त करने की कार्यवाही की गई। खनिज विभाग द्वारा उक्त कृत्य पर मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जाकर अनावेदक को निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि 51 हजार 414 रूपये जमा करने की सूचना देने की कार्यवाही प्रस्तावित की गई। जिसपर अनावेदक द्वारा उपस्थित होकर प्रशमन शुल्क की जमा करनें की बात कही जाकर वाहन मुक्त करने का अनुरोध किया गया। जिला खनिज अधिकारी द्वारा अनावेदक से विगत 7 मई को प्रशमन शुल्क की राशि जमा कराई जाकर चालान की मूल प्रति के साथ दोनों प्रकरण विधि संगत कार्यवाही हेतु कलेक्टर अवि प्रसाद के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

जुर्माना के बाद छोड़े गए वाहन

कलेक्टर द्वारा मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के नियम 20 के तहत दोनों अनावेदकों द्वारा निर्धारित प्रशमन शुल्क की कुल राशि 95 हजार 860 रूपये जमा कर दिये जाने पर वाहनों को मुक्त करने की कार्यवाही प्रस्तावित की गई।

---

56 हजार 433 मैट्रिक टन गेहूं का किया जा चुका परिवहन

जिले में अब तक 67 हजार 133 मैट्रिक टन गेहूं उपार्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए जिले समस्त तहसीलों में स्थापित 85 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से बुधवार 8 मई तक की अवधि में कुल 67 हजार 133 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जाकर 56 हजार 433 मैट्रिक टन गेहूं का परिवहन भी किया जा चुका है।

कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देशन में जिले के सभी उपार्जन केंद्रों मे उपार्जन का कार्य जारी है। कलेक्टर श्री प्रसाद ने उपार्जित उपज का अविलंब परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने उपार्जन केंद्रों मे आवक रजिस्टर संधारित करने के साथ ही उपार्जन केंद्रों के लिये जारी नीति-निर्देशों के तहत केंद्रों मे छन्ना, पंखा, मॉइश्चर मीटर, परखी, तिरपाल एवं कृषकों के बैठने के लिए छायादार व्यवस्था तथा पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही राजस्व, खाद्य विभाग के अधिकारियों को निरंतर भ्रमण कर खरीदी केन्द्रों में कार्य का जायजा लेने के निर्देश दिए है।

खरीदी एवं परिवहन में बहोरीबंद अव्वल

जिले की समस्त तहसीलों में किये जा रहे उपार्जन कार्य मे बुधवार 8 मई की स्थिति में तहसील बहोरीबंद निरंतर बढत बनाए हुए है। तहसील बहोरीबंद मे अब तक कुल 3669 किसानों से 23 हजार 675 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन कार्य किया जा चुका है इसमें से 20 हजार 519 मैट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। जबकि दूसरे नंबर पर काबिज तहसील ढीमरखेड़ा मे 3214 किसानों से 18 हजार 476 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन किया जाकर 16 हजार 806 मैट्रिक टन गेहूं का परिवहन भी किया जा चुका है।

तीसरे नंबर पर तहसील स्लीमनाबाद द्वारा 1030 किसानों से कुल 7 हजार 76 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन किया जाकर 6 हजार 457 मैट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। वहीं चौथे नंबर पर तहसील विजयराघवगढ़ में 758 किसानों से 5 हजार 539 मैट्रिक टन की खरीदी की जाकर 3 हजार 501 मैट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। इसी प्रकार पांचवे नंबर पर तहसील रीठी द्वारा 748 किसानों से 4 हजार 257 मैट्रिक टन उपार्जित किया जाकर 2 हजार 707 मैट्रिक टन गेंहूं का परिवहन भी किया जा चुका है।

छठवे नंबर पर तहसील बरही द्वारा 749 किसानों से 3 हजार 709 मैट्रिक टन की खरीदी उपरांत 2 हजार 342 मैट्रिक टन का परिवहन कार्य किया जा चुका है। वहीं सातवे नंबर पर तहसील कटनी में 381 किसानों से 2 हजार 580 मैट्रिक टन की खरीदी उपरांत दो हजार 568 मैट्रिक टन का उपर्जन के साथ ही बड़वारा तहसील में 8 मई की स्थिति में कुल 334 किसानों से 1821 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन किया जाकर 1 हजार 533 मैट्रिक टन गेंहू का परिवहन किया जा चुका है।

खुले बोरवेल की शिकायतों के निराकरण हेतु जवाबदेही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

खुले बोरवेल से संबंधित दुर्घटनाओं पर नियंत्रण करने हेतु शासन द्वारा सी.एम.हेल्पलाइन पोर्टल पर नवीन मॉड्यूल शामिल किया गया है। कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा सी.एम.हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से खुले बोरवेल से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर त्वरित गति से कार्यवाही करने हेतु उप विभागवार ग्रामीण, नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद हेतु लेबल अधिकारी एल-1, एल-2 एवं एल-3 ऑफिसर नियुक्त किये है। उपरोक्त समस्त निकाय एवं क्षेत्र में प्राप्त शिकायतों की मॉनिटरिंग एल-4 ऑफिसर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कटनी द्वारा की जायेगी।

जारी आदेशानुसार ग्रामीण क्षेत्र में खुले बोरवेल से संबंधित शिकायतों के निराकरण हेतु जनपद पंचायतों के सी.ई.ओ को एल-1 ऑफिसर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को एल-2 ऑफिसर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को एल-3 ऑफिसर नियुक्त किया गया है। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत खुले बोरवेल से संबंधित शिकायतों हेतु उपयंत्री नगर निगम एल-1 ऑफिसर, कार्यपालन यंत्री एल-2 ऑफिसर, आयुक्त नगर निगम को एल-3 ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नगर पालिका एवं नगर परिषद अंतर्गत खुले बोरवेल से संबंधित शिकायतों के निराकरण हेतु समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारी को एल-1 अनुविभागीय अधिकारी विजयराघवगढ एवं बरही को एल-2 ऑफिसर, पी.ओ.डूडा को एल-3 ऑफिसर नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने नियुक्त समस्त लेबल अधिकारियों को क्षेत्रांतर्गत खुले बोरवेल से संबंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निराकरण कराने निर्देशित किया है।

खबर संक्षेप

मतगणना के संबंध में मीडिया कर्मियों के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश

पन्ना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना स्थल पर मीडियाकर्मियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग के निर्देशानुसार मतगणना कक्ष के भ्रमण के दौरान मोबाइल ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। मीडियाकर्मी केवल मतगणना स्थल पर बने मीडिया सेंटर तक एक मोबाइल, कैमरा, लैपटॉप, ट्रायपॉड ले जा सकेंगे। मतगणना कक्ष के भ्रमण के दौरान मीडिया के लिए चिन्हित स्थान तक अल्प अवधि के लिए मीडियाकर्मियों को वीडियो कैमरा एवं स्टिल कैमरा ले जाने की अनुमति होगी। मतगणना कक्ष के भ्रमण के दौरान व्यक्तिगत सीयू, वीवीपैट या मतपत्र पर दर्ज किए गए मतदान की तस्वीर खींचना प्रतिबंधित है। मीडियाकर्मी सीमित संख्या के बैच में स्कॉट ऑफिसर्स के साथ ही मतगणना कक्ष का भ्रमण करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी पासधारी मीडियाकर्मियों को ही मतगणना स्थल, मतगणना कक्ष में प्रवेश की अनुमति होगी।

9 मई को जल आपूर्ति बंद रहेगी

पन्ना। जल जीवन मिशन अंतर्गत पवई बांध समूह जल प्रदाय योजना में 158 ग्रामों में प्रतिदिन शुद्ध जल प्रदान किया जा रहा है। इस क्रम में संपूर्ण परियोजना इकाई में संचालित महत्वपूर्ण उपकरणों जैसे ट्रांसफार्मर यार्ड, फिल्टर गैलरी के वाल्ब इत्यादि सभी आवश्यक उपकरणों का 09 मई को मरम्मत किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में जनसामान्य को गुरूवार को एक दिवस के लिए पवई डैम ग्रामीण जल प्रदाय योजना के तहत सभी ग्रामों में जल आपूर्ति बंद रहने के संबंध में सूचित किया गया है। म.प्र. जल निगम मर्यादित, परियोजना क्रियान्वयन इकाई पन्ना के महाप्रबंधक द्वारा जनपद पंचायत पवई एवं शाहनगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जलापूर्ति बंद रहने के बारे में सभी सरपंच-सचिव को सूचित करने के लिए कहा गया है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कृषि विज्ञान केन्द्र का किया शैक्षणिक भ्रमण

पन्ना। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पन्ना के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र पन्ना पहुँचे। विद्यार्थियों ने केव्हीके में कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त की। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक पी.एन. त्रिपाठी एवं उप संचालक कृषि ए.पी. सुमन ने जानकारी प्रदान कर छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पन्ना के छात्र-छात्राओं ने उत्सुकतापूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को मृदा स्वास्थ्य के बारे में उपयोगी जानकारी दी गई। साथ ही मृदा स्वास्थ्य के लिए उपयोगी पोषक तत्वों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। केन्द्र के निदेशक ने मृदा नमूना एकत्रित करने के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा परीक्षण से हमें ये पता चलता है कि मृदा में किन पोषक तत्वों की अधिकता है और किन पोषक तत्वों की कमी है।

जिला जेल में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

पन्ना। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष भावना साधौ के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश सह सचिव हरप्रसाद बंशकार की अध्यक्षता में बुधवार को जिला जेल पन्ना में विधिक साक्षरता शिविर सह निरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सचिव श्री बंशकार द्वारा आगामी 11 मई को नेशनल लोक अदालत में राजीनामा एवं प्ली ऑफ बारगेनिंग के माध्यम से निराकरण योग्य प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में निराकरण करवाकर शीघ्र न्याय प्राप्त करने के अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया गया। उन्होंने प्ली बारगेनिंग के प्रावधानों की बंदियों को विस्तार से जानकारी प्रदान की।

नपा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की मुहिम प्रारंभ

अभियान चलाकर टीन शेड पर चली जेसीबी मशीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

नगर पालिका क्षेत्र में चलाई जा रही मुहिम के सहित बुधवार को नगरपालिका सीएमओ राजेन्द्र खरे के नेतृत्व में नगरपालिका टीम द्वारा नगर के बस स्टेंड बड़ा बाजार मंदिर मस्जिद चौराहा अंधियारा बगीचा खचना नाका तक दुकानदारों द्वारा किए गये अतिक्रमण एवं टीनषेडो को हटानें की कार्रवाई की गई और यह मुहिम समूचे नगर में जारी रहेगी जब तक नगर की सड़कें अतिक्रमण मुक्त न हो जाएं। नगर के बस स्टेंड से मंदिर मस्जिद चौराहा बड़ा बाजार एवं बजरिया मार्ग से लेकर नगर की सड़को को अतिक्रमण मुक्त कर व्यवस्थित करने के लिए विगत दिनो से चली आ रही अतिक्रमण हटाओ मुहिम बुधवार को प्रारंभ की गई जिसमें बस स्टेंड पर दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के अलावा बड़े-बड़े टीनषेडो से दुकानों पर लगाया गया था जिससे आवागमन काफी हद तक बाधित होता नजर आ रहा था इसी प्रकार से नगर के बाजार से लेकर अन्य सड़को पर भी यही आलम बना हुआ था जहां दुकानदारों द्वारा अपनी दुकान की सामग्री बाहर रखनें के लिए टीनषेड लगानें के अलावा सड़क पर कब्जा जमा लिया गया था जिससे मार्ग इन दुकानदारों की सामग्री से और भी संकीर्ण होता नजर आ रहा था और आवागमन में काफी परेशानियों का सामना आम नागरिकों को करना पड़ता था। वही नगरपालिका एवं पुलिस प्रशासन की टीम द्वारा मुहिम चलाकर बस स्टेंड से बड़ा बाजार जाने वाले मार्ग से लेकर बाजार के अंदरूनी रास्तों पर दुकानदारों द्वारा किये गये विगत कई बर्षो के अतिक्रमण को हटानें का कार्य शुरू किया गया जिसमें मुख्य मार्ग व आम रास्ता पर दुकानदारों द्वारा किये गये अतिक्रमण को हटाया गया।

वही इस कार्यवाही से कुछ दुकानदारों द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही का विरोध भी जताया गया जिसमें दुकानदारों की पट्टियां तोड़ी गई परंतु इसके पहले विगत दिनो दुकानों के आगे जो अतिक्रमण आगे तक किया गया था एवं टीनषेड लगाकर रास्ता को संकीर्ण किया गया था उन्हें भी पूर्व में हटाया गया था लेकिन कुछ दिनों बाद वही रवैया दुकानदारों द्वारा अपनाया गया जिससे नगरपालिका प्रषासन द्वारा मुहिम चलाकर बस स्टेंड से बाजार जानें वाले मार्ग से लेकर अंधियारा बगीचा खचना नाका के रास्ते पर किए गये अतिक्रमण को मुक्त करनें की कार्रवाई की गई। जिससे देखनें में यह आ रहा कि काफी वर्षों से अतिक्रमण की चपेट में संकीर्ण हो चुकी नगर की सड़कों को पुनः उसे पहले जैसा बनाने का प्रयास प्रशासनिक अमले द्वारा किया जा रहा है जिससे सभी नगर की सडकें व्यवस्थित रहे एवं आम लोगो को आनें जानें में किसी भी प्रकार से असुविधा न हो सके।

इनका कहना है

मेरे द्वारा तीन दिन से लगातार मुनादी कराई जा रही है कि दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों का अतिक्रमण स्वंय हटा लें ताकि किसी भी प्रकार से कोई नुकसान न हो परंतु मुनादी के उपरांत भी लोगो द्वारा किसी भी प्रकार से कोई कदम नहीं उठाया गया।वही यह अभियान अभी जारी रहेगा एवं नगर की सड़को के अलावा दमोह नाका तक संपूर्ण अतिक्रमण हटानें की कार्रवाई जारी रहेगी।
राजेन्द्र खरे
सीएमओ न.पा.हटा

मुनि दीक्षा दिवस धूमधाम से मनाया गया....

जिनवाणी ही गुरुवाणी है : निर्यापक श्रमण मुनि श्री नियम सागर जी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र जैन तीर्थ कुंडलपुर में जैन धर्म के 17 वें तीर्थंकर भगवान कुंथुनाथ का जन्म ,तप और मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। निर्यापक श्रमण मुनि श्री योगासागर जी महाराज एवं निर्यापक श्रमण मुनि श्री नियम सागर जी महाराज का मुनि दीक्षा दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः भक्तांमर महामंडल विधान , पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक ,शांति धारा एवं पूजन विधान हुआ ,निर्वाण लाडू चढ़ाया गया ।ज्ञान साधना केंद्र परिसर में निर्यापक मुनि श्री योग सागर जी महाराज एवं निर्यापक मुनि श्री नियम सागर जी महाराज का 45 वां मुनि दीक्षा दिवस मनाया गया ।इस अवसर पर पूज्य बड़े बाबा एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण, दीप प्रज्वलन हुआ ।आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का पूजन एवं आचार्य जी समय सागर जी महाराज का पूजन हुआ ।मुनि श्री का पाद प्रक्षालन हुआ ।शास्त्र समर्पण किया गया।इस अवसर पर पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री नियम सागर महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा दीक्षा का आज पावन दिवस है जिसको दीक्षा कहते हैं वह आत्म कल्याण के क्षेत्र में संसारत सभी भव्य जीव को अनिवार्य हुआ करती है ।दीक्षा अनिवार्य है दीक्षा का अर्थ मुक्ति और मुक्ति के लिए दीक्षा होती है। दीक्षा का अर्थ है छुटकारा विसर्जन है जिसको अज्ञान बस बटोर कर रखा था उन सब का विसर्जन और सबसे मुक्ति ,मुक्ति के लिए मुक्ति और वास्तविक मुक्ति रत्नत्रय है। जिसकी साधना से जिसकी अनुभूति से आत्मा संतृप्त हो जाए वह आत्मा का भोजन कहलाता है। ऐसे भोजन को परोसने वाले परंपरा की दृष्टि से देखें तो परंपरा का अंत ही नहीं परोसते चले आ रहे हैं और भोजन करते-करते सभी चले आ रहे हैं। इस युग में हमको भी अपने भाग्य के वजह से इस व्यंजन को इस मधुर भोजन को परोसने से पहले भोजन के स्वाद का पता लगा लो वह कितना आनंद दाई है वह कितना सुखदाई है वह कितना आत्मा को संतुष्टि पहुंचा सकता है ।उस सब का परिचय करके सर्वप्रथम भटकती आत्मा को आकर्षित किया और आकर्षित करना ही धर्म की प्रभावना है हमें कोई आकर्षण ना करें हमें कोई भोजन ना मिले यह संभव ही कैसे हम आकर्षित होते हैं आकर्षित होने की शक्ति हमारे पास आकर्षित करने वाले निमित्त के रूप में जब आहार प्राप्त होते तो हमारा जीवन भी सार्थक हो जाता। अनादि कालीन वह प्यास अनादिकालीन वह भूख मिट जाती। ऐसे भोजन को परोसने वाले इस पावन भूमि पर भरत क्षेत्र में इस धरा पर थे ,हैं और रहेंगे यह हम सोच भी नहीं सकते लेकिन जब सानिध्य प्राप्त हुआ तो है ,थे और आगे भी यह परंपरा बनी रहेगी ।इस पर विश्वास हुआ। भोजन करने से पूर्व भोजन का परिचय मिला वह भोजन ऐसा भोजन की पुनः भोजन ही ना करना पड़े। हमेशा हमेशा के लिए भोजन के बिना अनंत काल तक हम रह सकें ऐसा भोजन एक बार भोजन करने के बाद अनंत काल तक हम भोजन के बिना रह सकते हैं ।ऐसा भोजन का परिचय हमने सुना प्राप्त किया और उन्हीं के द्वारा एक-एक ग्रास जैसे मां अपने बच्चों को एक-एक ग्रास बड़े प्रेम के साथ भोजन कराती है वैसे ही गुरु ने हमारे लिए भोजन कराया छोटे से बड़ा बनाया। भोजन ही नहीं करते तो बड़े कैसे बन सकते ।भोजन के बिना तो सारा संसार छोटा है विकसित ही नहीं हो रहा गर्भ के काल से भोजन मिलना शुरू होता है गुरु शिष्य को गर्भ काल से जब भोजन कराते हैं तो हमारा विकास तो गुरु के गर्भ से होता और हमारा जन्म गुरु के गर्भ से होता है इसलिए कहते हैं गुरु के बिना जीवन शुरू नहीं हुआ । ऐसा सतगुरु का मिलना बहुत दुर्लभ होता है बाहर का मार्ग तो लाखों करोड़ों हैं लेकिन भीतर का मार्ग तो एक ही है। करोड़ मार्ग को बताने वाले बहुत मिलेंगे पग पग पर मिलेंगे लेकिन भीतर के मार्ग को बताने वाले दुर्लभ ही मिला करते है ।मिल जाए तो भाग्य के द्वार खुल जाते हैं जीवात्माओं के। ऐसे गुरुवर हमको मिले उनके उपकार को शब्दों में बांधना और किसके सामने कहना मन को समझाना भी संभव नहीं है ।जैसा नाम है उस नाम के अनुसार ही वचन है और वचनों को गुमफित करके शास्त्र बनाकर कलेक्शन करके गुरु के भोजन के रूप में हमको प्रदान किया। गुरु वाणी भगवान की वाणी है जो भगवान की वाणी हुआ करती है वही गुरु की वाणी होती है जो गुरु की वाणी होती है वही जिनवाणी कहलाती है जिनवाणी भगवान से निकलती है गुरु के पास आती है और आगे बढ़कर के शिष्य के पास पहुंचती है ।वह वाणी जिनवाणी ही कहलाती है लेकिन जब गुरु के मुखारविंद से निकलती है तो वह जिनवाणी गुरुवाणी ही कहलाती है। बताइए जिनवाणी गुरु वाणी में अंतर क्या है अपने मुख से बोल ही नहीं सकते बोलते हैं तो जिनेंद्र भगवान की वाणी को ही बोलते हैं गुरु वाणी संज्ञा पाकर हम तक पहुंचती है ।जिनवाणी ही गुरु वाणी है और गुरु वाणी ही जिनवाणी है। जिनवाणी हम तक पहुंच जाएं हम सभी जीवों तक पहुंच जाए कहीं भी भोजन करने चले जाओ पेट ही नहीं भरता ऐसा भोजन क्यों करें उस भोजन का आविष्कार करें जिससे पेट भरता।

सतुवाई अमावस्या पर बांदकपुर में दर्शनों को उमड़ श्रद्धालु

बनवार। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री देव जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर में वैशाख माह की अमावस्या को जल अर्पण दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भारी उमड़ी दान पुण्य स्नान ध्यान का विशेष पर्व वैशाख अमावस्या के अवसर को सतुआ दान की परंपरा है। और पवित्र नदियों में स्नान ध्यान भगवान भोले नाथ को जल अर्पण करने भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वैशाख अमावस्या को श्रद्धालुओं ने मंदिर पर प्रांगण में बैठकर भगवान सत्यनारायण स्वामी की कथा सुनते हुए दान पुण्य किया। वैशाख अमावस्या का विशेष महत्व होने केचलते जिले ही नही आसपास जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं देव श्री जागेश्वर नाथ धाम पहुंचकर दिव्य स्वयंभू शिवलिंग पर जल अर्पण करते हुए दर्शन पूजन किया। मंदिर ट्रस्ट प्रबंधक श्री राम कृपाल पाठक ने बताया बैशाख माह की अमावस्या सतुआ दान करने का विशेष महत्व है इसलिए सतुवाई अमावस्या भी कहते है। दान पुण्य भगवान शिव को जल अर्पण करने का विशेष महत्व होने की वजह से आज सुबह से ही भक्तों की भरी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ी और भगवान भोलेनाथ का दर्शन पूजन करते हुए सभी आशीर्वाद प्राप्त किया।

चित्र के साथ चरित्र को भी साफ रखें : पं. ऋषिकांत गर्ग

बनवार। बस स्टैण्ड बनवार में अग्रवाल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के द्वितीय दिवस कथा प्रवक्ता बालव्यास पं.ऋषिकांत गर्ग जी ने बताया की संस्कार मनुष्य के जीवन का सार हैं। अच्छे संस्कारों द्वारा ही मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण और विकास होता है और जब मनुष्य में शिक्षा और संस्कार दोनों का विकास होगा, तभी वह परिवार, समाज और देश का विकास कर सकेगा। परन्तु आज के समय में शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान तक ही सीमित रह गई है, जबकि शिक्षा का असली उद्देश्य चारित्रिक ज्ञान है, जो आज की इस भागदौड़ वाली जिंदगी में हम भूल चुके हैं। आज के माता-पिता और शिक्षकों का यह कर्तव्य होना चाहिए कि बच्चों को सदा सच्चाई के मार्ग पर चलना सिखाएं, उन्हें दूसरों की मदद के लिए प्रेरित करें, माता-पिता, शिक्षक और बड़ों का सम्मान करना सिखाएं, ईश्वर पर विश्वास रखना सिखाएं, उन्हें सहनशील, कर्तव्यनिष्ठ बनाएं तथा सभी से प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाएं। मनुष्य अपने जीवन में जो डिग्री हासिल करता है वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा मात्र है। जबकि व्यक्ति की असली डिग्री उसके संस्कार हैं, जो उसके व्यवहार में झलकते हैं। इस दौरान बड़ीसंख्या में श्रीमद्भागवत कथा रसपान करने श्रद्धालुओं की उपस्तिथि रही।

जनपद उपाध्यक्ष के परिवार में शोक

बनवार। जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भगवती मानव कल्याण संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ सुजान सिंह की माताश्री जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती रश्मि बाई की सासु मां श्रीमती आली बाई का 85 वर्ष की आयु में मंगलवार की शाम दुखद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार आज बुधवार की सुबह 10:00 बजे भाट खमरिया के मुक्ति धाम में किया गया। अंतिम यात्रा बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जगह-जगह श्रद्धांजलि सभा के आयोजन की खबरों के बीच अंतिम दर्शन के लिए ग्राम वासियों जनपद सदस्यों सरपंचों सहित कई जनप्रतिनिधियों गृह ग्राम भाट खमरिया पहुंचे। वही भगवती मानव कल्याण संगठन के जिले भर के प्रमुख पदाधिकारी ने भी अंतिम यात्रा में शामिल होकर शोकाकुल परिवार के प्रति इस गहन दुख की घड़ी में अपनी अपनी ओर से गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

तेज आंधी के साथ बरसे मेघ गिरे ओले, कई पेड़ धराशाई

हटा। अचानक मौसम में आए बदलाव के चलते बुधवार की दोपहर हटा नगर सहित क्षेत्र में तेज आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश व ओले गिरे इस दौरान चली तेज आंधी के साथ कई पेड़ धराशाई हो गए जिससे नगर व क्षेत्र की बिजली व्यवस्था भी कई घंटों के लिए प्रभावित हो गई। दरअसल इस मौसम में तीन तरह के मौसम देखने को मिल रहे हैं एक और वर्षा दूसरी और गर्मी और तीसरी और अगर पंखा तेज गति से चलाओ तो ठंड लगने लगती है जिसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल पड रहा है। हालत यह है कि किसी को वायरल बुखार की स्थिति हो रही है किसी को उल्टी दस्त की शिकायत चल रही है यह मौसम की वजह से हो रहा है जिससे लोगों को परेशानियां हो रही हैं। दरअसल लोगों को मई के महीने में जो गर्मी भरे मौसम की जरूर थी वहां मौसम बदला हुआ मिल रहा है। बुधवार की दोपहर अचानक तेज आंधी गरज चमक के साथ रिमझिम बारिश हुई वही अनु विभाग के रनेह क्षेत्र में कहीं-कहीं जमकर ओले भी गिरे जिससे किसानो द्वारा बोई गई मूंग की फसल को भी काफी नुकसान हुआ है क्षेत्र के किसान परसराम पटेल ने बताया कि 8 एकड़ की जमीन में मूंग लगाई थी लेकिन ओले गिरने से सारी फसल चौपट हो गई। वही रसीलपुर में तालाब के किनारे लगे पुराने वृक्ष के बिजली के ट्रांसफार्मर पर गिरने से ट्रांसफार्मर खम्बो सहित धरासाई हो गया जिससे पूरे गांव की बिजली बंद हो गई। मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण लोगों को परेशानियां उठानी पड़ रही है।

कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

कोविशील्ड साइड इफेक्ट की जांच, इलाज व क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पन्ना। कोविशील्ड साइड इफेक्ट का मामला लगातार गरमा रहा है। 8 में 2024 को महंत पंडित राजेश दीक्षित एडवोकेट के नेतृत्व में पन्ना कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप कर कोविशील्ड वैक्सीन लगवाने वाले व्यक्तियों के स्वास्थ्य की हर माह नियमित जांच करवाने और बीमारी के लक्षण पाए जाने पर समुचित उपचार करवाने और यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो उसके आश्रित को 5 करोड रुपए आर्थिक क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने की मांग की गई है। ज्ञापन के दौरान महंत पंडित राजेश दीक्षित एडवोकेट के साथ भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव संजय सिंह राजपूत, सामाजिक कार्यकर्ता एवं एडवोकेट संजय अहिरवार, राजेश रावत पत्रकार एवं संजय रैकवार पत्रकार सहित कई अन्य शामिल रहे। श्री दीक्षित ने बताया कि कोविड-19 संकटकाल के दौरान भारत सरकार द्वारा देश के 80 प्रतिशत लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगवाई गई है। यूके की वैक्सीन बनाने वाली फार्मा कंपनी एक्स्ट्राजेनिका ने लंदन की अदालत में इसके साइड इफेक्ट का मामला स्वीकार किया है। जबकि इसी कंपनी के फार्मूले से बनाई गई कोविशील्ड भारत के लोगों को लगाई गई है। जहां इसके साइड इफेक्ट के मामले सामने आने की बात कही जा रही है। लोगों के शरीर में खून के थक्के जमने की वजह से हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज आदि की वजह से मौत के मामले भी बताए जा रहे हैं। लोगों के जीवन रक्षा के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच व उपचार एवं मृत्यु पर आर्थिक क्षतिपूर्ति की मांग उठाई गई है।

गर्मियों की छुट्टी में अपने हुनर को तराश रहे नौनिहाल

दमोह। बच्चो की रचनात्मकता एवम सृजनात्मकता को नवीन आयाम देने की दिशा में कार्य करते हुए सरस्वती विद्या विहार सीनियर सैकेंडरी स्कूल, केशव नगर दमोह द्वारा 15 दिवसीय प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का आयोजन विद्यालय परिसर में किया जा रहा है, जहां बच्चे न केवल बच्चे अपने हुनर को नया आयाम दे रहे है अपितु भारतीय संस्कृति के बारे में व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त कर रहे है। इस कार्यशाला में सहयोग रंगमंच के क्षेत्र की अग्रणी संस्था युवा नाट्य मंच कर रही है।कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष प्रशिक्षक बच्चो को अपना मागदर्शन प्रदान कर रहे है। कार्यशाला में रंगमंच, संगीत, नृत्य, कैलीग्राफी, वैदिक मैथ्स, स्पोकन इंग्लिश, फाइनआर्ट, क्ले आर्ट एवम क्राफ्ट विज्ञान में अभिरुचि रखने वाले छात्र छात्राओं को अटल टिंकरिंग लैब, जूडो कराटे, योगा और मेडिटेशन, एंकरिंग, एक्टिंग वद कैमरा, फोटोग्राफी का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला में बच्चो को भारतीय संस्कृति के साथ साथ नवीन वैज्ञानिक ज्ञान को भी बच्चो को दिया जा रहा है। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर अतिथि के रूप में विद्यालय के पूर्व छात्र डॉक्टर राजीव पांडे, इंद्रजीत सिंह बग्गा, जगजीत गांधी,डॉक्टर नवीन दुबे, बजेंद्र राठौर, डॉक्टर सोनल राय, सुरेश सचदेव सहित नगर के गणमान्य नागरिक रहे। शुभारंभ अवसर पर विवेक शेंडेय, लालजी राम पटेल, प्राचार्य डॉक्टर स्वप्ना तिवारी, राजीव बिरथरे, राजीव अयाची, निशांत चौरसिया, सौरव जैन, देवेश श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी, हरिओम खरे, राजेश श्रीवास्तव, दीक्षा सेन, शिवानी बाल्मिक सहित विद्यालय के स्टाफ के साथ कार्यशाला के प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण-सुदामा की दोस्ती मिसाल है: पं उमाशंकर शास्त्री

बनवार। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धालु रसपान कर रहे है।गढ़ाघाट में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सह प्रवचन को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। पंडितउमाशंकर शास्त्री ने श्रीमद्भागवत में सुदामा चरित्र का वर्णन किया। मौके पर कथा व्यास ने श्रीमद्भागवत महापुराण में सुदामा चरित्र का व्याख्यान करते कहा कि सुदामा जी भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र तथा भक्त थे। वे समस्त वेद-पुराणों के ज्ञाता और विद्वान ब्राह्मण थे। भगवान कृष्ण के सहपाठी रहे सुदामा एक बहुत ही गरीब ब्राह्मण परिवार से थे। उनके सामने हालात ऐसे थे बच्चों का पेट भरना भी मुश्किल हो गया था। गरीबी से तंग आकर एक दिन सुदामा की पत्नी ने उनसे कहा कि वे खुद भूखे रह सकते हैं लेकिन बच्चों को भूखा नहीं देख सकते। ऐसे कहते-कहते उनकी आंखों में आंसू आ गई। ऐसा देखकर सुदामा बहुत दुखी हुए और पत्नी से इसका उपाय पूछा। इस पर सुदामा की पत्नी ने कहा-आप बताते रहते हैं कि द्वारका के राजा कृष्ण आपके मित्र हैं तो क्यों नहीं एक बार उनके पास चले जाते। आपके दोस्त हैं तो आपकी हालत देखकर बिना मांगे ही कुछ न कुछ दे देंगे। इस पर सुदामा बड़ी मुश्किल से अपने सखा कृष्ण से मिलने के लिए तैयार हुए।

अपनी पत्नी सुशीला से कहा कि किसी मित्र के यहां खाली हाथ मिलने नहीं जाते इसलिए कुछ उपहार उन्हें लेकर जाना चाहिए। लेकिन उनके घर में अन्न का एक दाना तक नहीं था। कहते हैं कि सुदामा के बहुत जिद करने पर उनकी पत्नी सुशीला ने पड़ोस से चार मुट्ठी चावल मांगकर लायी और वही कृष्ण के लिए उपहार के रूप में एक पोटली में बांध दिया। सुदामा जब द्वारका पहुंचे तो वहां का वैभव देखकर हैरान रह गए। पूरी नगरी सोने की थी। लोग बहुत ही सुखी और संपन्न थे। सुदामा किसी तरह से लोगों से पूछते हुए कृष्ण के महल तक पहुंचे और द्वार पर खड़े पहरेदारों से कहा कि वह कृष्ण से मिलना चाहते हैं। लेकिन उनकी हालत देखकर द्वारपालों ने पूछा कि क्या काम है। सुदामा- कृष्ण मेरे मित्र हैं। द्वारपालों ने महल में जाकर भगवान कृष्ण को बताया कोई गरीब ब्राह्मण उनसे मिलने आया है। वह अपना नाम सुदामा बता रहा है। सुदामा नाम सुनते ही भगवान कृष्ण नंगे पांव सुदामा को लेने के लिए दौड़ पड़े। वहां मौजूद लोग हैरान रह गए कि एक राजा और एक गरीब साधू में कैसी दोस्ती हो सकती है। भगवान कृष्ण सुदामा को अपने महल में ले गए और पाठशाला के दिनों की यादें ताजा कीं। श्रीकृष्ण ने सुदामा से पूछा कि भाभी ने उनके लिए क्या भेजा है। इस सुदामा संकोच में पड़ गए और चावल की पोटली छुपाने लगे। ऐसा देखकर कृष्ण ने उनसे चावल की पोटली छीन ली। भगवान कृष्ण सूखे चावल ही खाने लगे। सुदामा की गरीबी देखकर उनके आखों में आंसू आ गए। सुदामा कुछ दिन द्वारिकापुरी में रहे लेकिन संकोचवश कुछ मांग नहीं सके। विदा करते वक्त कृष्ण उन्हें कुछ दूर तक छोड़ने आए और उनसे गले लगे। सुदामा जब अपने घर लौटने लगे तो सोचने लगे कि पत्नी पूछेगी कि क्या लाए हो तो वह क्या जवाब देंगे। सुदामा घर पहुंचे तो वहां उन्हें अपनी झोपड़ी नजर ही नहीं आई। वह अपनी झोपड़ी ढूंढ रहे थे तभी एक सुंदर घर से उनकी पत्नी बाहर आईं। उन्होंने सुंदर कपड़े पहने थे। सुशीला ने सुदामा से कहा, देखा कृष्ण का प्रताप, हमारी गरीबी दूर कर कृष्ण ने हमारे सारे दुःख हर लिए। सुदामा को कृष्ण का प्रेम याद आया। उनकी आंखों में खूशी के आंसू आ गए। दोस्तों, कृष्ण और सुदामा का प्रेम यानी सच्ची मित्रता यही थी। कहा जाता है कि कृष्ण ने सुदामा को अपने से भी ज्यादा धनवान बना दिया था। दोस्ती के इसी नेक इरादे की लोग आज भी मिसाल देते हैं। आज भी दोस्ती के दौरान श्रीकृष्ण व सुदामा की मिसाल पेश की जाती है।

हरिभूमि
दमोह भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 9 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

हटा | जबेरा | पथरिया | तेन्दूखेड़ा | तेजगढ़ | बटियागढ़ | हिण्डोरिया | बनवार | सिंगपुर | पटेरा | बांदकपुर | नरसिंहगढ़ | हिनौता | कुण्डलपुर

खबर संक्षेप

हरेन्द्र सेन निलंबित

दमोह। कलेकटर सुधीर कुमार कोचर ने सहायक रिटर्निंग आफीसर विधानसभा क्षेत्र 056-जबेरा के प्रतिवेदन के आधार पर सहायक ग्रेड-03 तहसील कार्यालय जबेरा हरेन्द्र सेन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ज्ञातव्य है कि सहायक ग्रेड-03 तहसील कार्यालय जबेरा हरेन्द्र सेन को लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु मतदान उपरांत विधानसभा क्षेत्र 056- जबेरा के मतदान केन्द्र 61 से 90 तक की सामग्री वापिसी हेतु काउण्टर क्रमांक-01 में टेबित क्रमांक-02 पर कर्मचारी क्रमांक-02 के रूप में पदाविहित किया गया था। उक्त कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में उन पर यह कार्यवाही की गई है। निलंबन की अवधि में श्री हरेन्द्र सेन का मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तेंदूखेड़ा निर्धारित किया गया हैं एवं निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन 20 तक

दमोह। सत्र 2024 के लिए आई.टी.आई. में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इस संबंध में शासकीय आई.टी.आई. दमोह के प्राचार्य अभिषेक तिवारी ने बताया कि आई.टी.आई. में प्रवेश के लिए ऑनलाईन पंजीयन 20 मई 2024 तक **DSD** पोर्टल के माध्यम से हो रहे हैं। इस प्रवेश माड्यूल में जाकर प्रवेश के लिए ऑनलाईन पंजीयन कराना होगा। प्रशिक्षणार्थी विभिन्न व्यवसायों स्टेनोग्राफी हिंदी, इलेक्ट्रिशियन, फिटर कोपा, वेल्डर, मैकेनिक डीजल एवं सोलर टेक्नीशियन आदि व्यवसायों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन पंजीयन **www.dsd.gov.mp.in** पर करा सकते हैं। आईटीआई में प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्राएं अपना पंजीयन विभागीय पोर्टल पर करा सकते हैं।

पांच दिवस का मानदेय काटे जाने की कार्यवाही

दमोह। पर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम ने आंगनबाडी कार्यकर्ता झागरी तहसील बटियागढ विजय लक्ष्मी द्वारा निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही वरतने के आरोप में आर्थिक दंड स्वरूप 05 दिवस का मानदेय काटे जाने एवं भविष्य में इस प्रकार की पुनर्रावृत्ति न किये जाने हेतु अंतिम रूप से सचेत किया है। ज्ञातव्य है कि अर्जुन अहिरवार सा. पथरिया द्वारा शिकायत की गई है कि तहसील बटियागढ के मतदान केंद्र 45 झागरी कबीरपुर में मेरा एवं मेरे परिवार का नाम मतदाता सूची से डिलीट कर दिया गया है। तत्संबंध में उक्त शिकायत की जांच अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग आफीसर 54 पथरिया से कराई गई। उनके द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया है कि मतदान केंद्र क्रमांक 45 झागरी कबीरपुर की तत्कालीन बी.एल.ओ विजय लक्ष्मी आंगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा त्रुटिवश शिकायत कर्ता तथा उसके परिवार का नाम मतदाता सूची से डिलीट हुआ है, मतदाता सूची में नाम पुनः दर्ज करने की कार्यवाही प्रचलित है ।

हर्ष जैन बने नोडल अधिकारी

दमोह। जिले में भारत सरकार के गृह मंत्रालय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा संचालित आपदा मित्र परियोजना के अंतर्गत जिले में योजना के समन्वय और कार्यान्वयन के लिये अपर कलेक्टर दमोह ने जिले में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट हर्ष जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

खिड़की से कूदकर बचाई जान, घटनास्थल पर पहुंचे सीबीएमओ व पुलिस

जिला अस्पताल प्रसव के लिये लेकर जा रही 108 एम्बुलेंस में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

गर्भवती महिलाओं का प्रसव उचित व्यवस्था व चिकित्सकों की देखरेख में समय पर अस्पताल में हो सके इसके लिए शासन द्वारा जननी एक्सप्रेस व 108 एंबुलेंस वाहन चलाए जा रहे हैं लेकिन सिविल अस्पताल हटा में पुरानी एम्बुलेंस गर्भवती महिलाओं के लिए आफत बन रही हैं जिसकी वानगी बुधवार की दोपहर हटा मैं देखने को मिला जहां एक गर्भवती महिला को सिविल अस्पताल से 108 एंबुलेंस से दमोह के लिए रेफर किया गया जो हटा से 2 किलोमीटर दूर प्रेमपुरा के पास अचानक एंबुलेंस में आग लग गई जिससे आनन-फानन में गर्भवती महिला के परिजनों ने तुरंत खिड़की से गर्भवती महिला को बाहर निकाल कर जान बचाई वही ड्राइवर की सूझबूझ से तुरंत ही इंजन को कंट्रोल कर जलने से बचा लिया। घटना की जानकारी लगते ही सीबीएमओ डॉक्टर यूएस पटेल ने पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर गर्भवती महिला को जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई वहीं फायरब्रिगेड वाहन भी मौके पर पहुंची।

दरअसल नगर के रामगोपाल जी वार्ड निवासी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रीना व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि वह अपनी बहू 20 वर्षीय महिक पति सनद व्यास जो प्रथम बार गर्भवती होने के चलते 9 माह पूरे होने पर प्रसव पीड़ा होने से सिविल अस्पताल हटा लेकर पहुंची जहां पर ड्यूटीरत स्टाफ द्वारा परीक्षण उपरांत उसे जिला चिकित्सालय रेफर किया गया जिसे दोपहर 1:30 बजे 108 एंबुलेंस वाहन क्रमांक CG 04 NW 6317 से दमोह रेफर किया गया जो कि दमोह रोड पर 2 किलोमीटर दूर प्रेमपुरा प्रतिक्षालय के पास अचानक एंबुलेंस वाहन के इंजन से आज की चिंगारी के साथ तेज धुआं निकलने लगा ओर एंबुलेंस बंद हो गई जिस एंबुलेंस में धुआं ही धुआ फैल गया जिससे सभी लोग घबरा गए और आनन-फानन में खिड़की से गर्भवती महिला को बाहर निकाला लेकिन गनीमत रही कि एंबुलेंस पायलट की सूझबूझ के साथ इंजन में सुलगने वाली चिंगारी पर तुरंत ही काबू पा लिया गया और आग भड़कने से बच गई।

कड़ी धूप में सड़क पर घंटे तड़पती रही महिला-

जहां एक ओर विषम परिस्थितियों के चलते दर्द से कराह रही गर्भवती महिला को शीघ्र ही इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर किया गया था लेकिन रास्ते में ही 108 वाहन मैं आग लग जाने से चलते खिड़की से बाहर निकाल कर परिजनों द्वारा तपती दोपहरी में जहां तापमान 42 डिग्री सेल्सियस चल रहा था उसे दौरान गर्भवती महिला परिजनों के साथ घंटों सड़क पर दर्द से तड़पती रही लेकिन दूसरी 108 वाहन को फोन लगाने के बाद 1 घंटे बाद भी दूसरा वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया वही जब सीबीएमओ डॉक्टर यूएस पटेल को फोन पर सूचना मिली तो वह तुरंत ही हंड्रेड डायल की मदद से घटनास्थल पर पहुंचे जहां पर उन्होंने सिविल अस्पताल से संचालित एंबुलेंस वाहन को भेज कर गर्भवती महिला को सुरक्षित जिला अस्पताल भिजवाया जहां वह इलाजरत है। मगर सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं व गंभीर मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके लेकिन 108 एम्बुलेंस वाहन से जिंदगी कितनी सुरक्षित है इस घटना से सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल पहुँचकर किया रक्तदान

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर जिला अस्पताल में हुआ रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल पहुँचकर रक्तदान किया। उन्होंने कहा आज विश्व रेडक्रॉस दिवस और अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस है। यहां पर थैलेसीमिया के जो मरीज है, उनको सही और त्वरित इलाज, उनको ब्लड की और अन्य संसाधनों की समयबद्ध उपलब्धता के लिए हम लोग अपना संकल्प दोहराते हैं। उन्होंने कहा आज विश्व रेडक्रॉस दिवस है। उन्होंने कहा आज ही के दिन अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस की स्थापना हुई थी, जो की पीड़ित मानवता की भलाई के लिए काम करता है। उन्होंने कहा रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर जिले में कई आयोजन किए गए हैं, जिनमें से एक रक्तदान शिविर भी है।

कलेक्टर श्री कोचर ने कहा मैं जिले के रेड क्रॉस समीति का अध्यक्ष हूं, इसलिये मुझे लगता है कि यह मेरा नैतिक दायित्व है और मेरी पहली जिम्मेदारी है कि मैं दूसरों को प्रेरणा देने से पहले स्वयं रक्तदान करूं। इसलिए आज जिला अस्पताल में पहुंचकर रक्तदान किया है। उन्होंने जिले और जिला अस्पताल की रक्तदान की पूरी टीम को बधाई और धन्यवाद देते हुये कहा की टीम ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं यहां पर की है। लगातार लोग यहां पर रक्त दान करके जा रहे है। यह रक्त किसी न किसी जरूरतमंद के काम आएगा और हम उनको बीमारियों से बचा पाएंगे, यही हमारी कामना है। कलेक्टर ने कहा आगे आने वाले समय में कॉलेज और अन्य संस्थानों में रक्तदान के विशेष शिविर आयोजित किये जायेंगे, ताकि रक्तदान के प्रति जन जागरूकता अधिक से अधिक बढ़े।

दो स्टोर्स पर सहायक आयुक्त राज्य कर ने की कार्रवाई

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशानुसार एस.डी.एम. दमोह के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम द्वारा मे. कपिल जनरल स्टोर नया बाजार नं. 1 दमोह एवं मे. गणेश स्टेशनरी मार्ट पता-रेडक्रास सोसायटी शाप दमोह पर जाँच कार्यवाही की गयी थी।

उक्त कार्यवाही के तारतम्य में सहायक आयुक्त राज्य कर दमोह द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुऐ उक्त विक्रेताओं के व्यापारिक दस्तावेजों की जारी की गयी एवं पुस्तक विकेता मे. कपिल जनरल स्टोर से अवधि जनवरी से मार्च 2024 में ग्राहको को बिल जारी नही किये जाने हेतु कुल 20 हजार रूपये की शास्ति एवं कच्चे एवं नियम विरूध्द बिलो / चालानों पर ब्याज सहित कुल कर 22 हजार 846 रूपये इस प्रकार कुल 42 हजार 846 रूपये जमा करवाये गये है। इसी प्रकार पुस्तक विक्रेता मे. गणेश स्टेशनरी मार्ट पता-रेडक्रास सोसाईटी शॉप दमोह से अवधि जनवरी से मार्च 2024 में ग्राहको को बिल जारी नहीं किये जाने हेतु कुल 20 हजार की शास्ति एव कच्चे एवं नियम विरूध्द बिलो / चालानों पर ब्याज सहित कुल कर 19 हजार 864 इस प्रकार कुल 39 हजार 864 रूपये जमा करवाये गये है।

उक्ताशय की जानकारी कार्यालय वाणिज्यक कर अधिकारी सहायक आयुक्त राज्य कर दमोह वृत्त ने दी।

मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी की हुई भव्य अगवानी

दीपक की ज्योति से तभी लाभ है जब हमारी आंख खुली हो : मुनि श्री सुधार सागर जी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के संघ सहित दमोह नगर आगमन पर भव्य मंगल अगवानी की गई। वही मुनि श्री के सानिध्य में जैन धर्मशाला में निर्यापक मुनि श्री योग सागर जी नियम सागर जी का मुनि दीक्षा दिवस मनाया गया। कुंडलपुर में आचार्य पदारोहण समारोह के बाद आचार्य श्री के शिष्य मुनिराजों का मंगल विहार चल रहा है। इसी कड़ी में मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज का धर्म नगरी बांदकपुर में कुछ दिनों के प्रवास के बाद बुधवार को दमोह नगर में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त जनों ने समन्ना तिराहा पहुचकर मुनि संघ की अगवानी की। धरमपुरा नाके से मुनि संघ की धूमधाम से अगवानी करते हुए शहर प्रवेश कराया गया। इस दौरान दिगंबर जैन पंचायत कुंडलपुर कमेटी विभिन्न मंदिरों की समिति महिला मंडल बालिका मंडल स्वयंसेवक समिति सहित सकल जैन समाज के लोगों ने उत्साह के साथ सहभागिता दर्ज कराई। गढ़ी मोहल्ला, पुराना थाना, टाकीज, सराफा, घंटाघर, नयाबाजार, धगट चौराहा से होते हुए दिगंबर जैन धर्मशाला पहुंचे मुनि संघ का जगह-जगह रंगोली सजाकर मंगल कलशों के साथ अगवानी की गई। वही पाद प्रच्छलन तथा आरती करके निर्यापक श्रमण का सभी ने आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर जी में दर्शन उपरांत जैन धर्मशाला मंच से मुनि श्री सुधा सागर जी के सानिध्य में मुनि योगसागर एवं नियम सागर जी का दीक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुंडलपुर कमेटी के अध्यक्ष चंद्र कुमार सराफ परिवार को पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आहार दान का सौभाग्य ब्रह्मचारी अभिषेक जैन गोलू भैया परिवार को प्राप्त हुआ।

संतों के सानिध्य का लाभ पाने उनके ज्ञान ज्योति से अपने जीवन को प्रकाशित करें- सुधा सागर जी

इस मौके पर मुनि श्री ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि दीपक जगत के अंधकार को दूर कर देता है। दीपक स्वयं जलता है किंतु वह दूसरों को प्रकाशित कर देता है। आज अमावस्या है किंतु संतो के आगमन से यह महोत्सव में परिवर्तित हो जाती है। जिस तरह भगवान महावीर ने अमावस्या को मोक्ष प्राप्त कर इस जगत को मोक्ष महोत्सव मनाने का अवसर प्रदान कर दिया भगवान को मोक्ष प्राप्त हुआ किंतु उनके मोक्ष कल्याणक दिवस से हम सबको लाभ प्राप्त हुआ। दीपक की ज्योति से हमें लाभ तभी प्राप्त हो सकता है जब हमारी आंख खुली हो। नेत्रहीन के लिए प्रकाश का कोई महत्व नहीं। संतो के सानिध्य से तभी लाभ हो सकता है जब हम उनके ज्ञान ज्योति से अपने जीवन को प्रकाशित कर पाएं। जब निमित्त हमारे उपादान के लिए कार्यकारी हो जाएं तभी सार्थकता है दमोह वालों के भाग्य से हर साधु के लिए दमोह आना पड़ता है क्योंकि आपके भाग्य से कुंडलपुर निकट है। दमोह के लिए साधु आता नहीं लाया जाता है। अब ऐसा पुरुषार्थ करो की साधु दमोह के नाम से दमोह आए कुंडलपुर के लिए दमोह ना आये।

कृषि मंडी में बारिश में किसानों की फ़सल भींगी

पथरिया। बुधवार दोपहर अचानक से बेमौसम बारिश होने से कृषि उपज मंडी में टीन शेड खाली नही होने से मजबूरन किसान अपनी फसल जमीन पर डालना पड़ता है। लेकिन बारिश होने से अनाज भीगने से बचाव का प्रबंध भी स्वयं किसानों को करना पड़ता है। क्योंकि डाक भले सुबह 11बजे हो पर तौल होते होते शाम हो जाती है और फ़सल की जब तक तौल होकर पर्चा ना बन जाए तब तक किसान फ्री नही होता है। जिससे किसान पानी गिरने पर बरसाती से ढांकना पड़ता है। वही मंडी प्रशासन द्वारा की जा रही लापरवाही पर संबंधित अधिकारी पर कोई कार्यवाही नही की जाती जिससे मंडी में मनमानी का आलम है।

उच्च श्रेणी शिक्षक निलंबित

दमोह। कलेकटर सुधीर कुमार कोचर ने विधानसभा क्षेत्र 54-पथरिया के मतदान केंद्र क्रमांक 69 में मतदान के दौरान नियुक्त पीठासीन अधिकारी एवं उच्च श्रेणी शिक्षक शासकीय माध्यमिक शाला अधरौटा महेन्द्र कुमार रोहित को लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया दिया है। ज्ञात हो सहायक रिटर्निंग आफीसर विधानसभा क्षेत्र 054-पथरिया के प्रतिवेदन के आधार पर मतदान दिवस को सामग्री वापिसी के दौरान अधूरी सामग्री जमा करने एवं अन्य रिपोर्ट जमा नहीं करने के आरोप में उक्त कार्यवाही की गई है।

डिप्टी रेंजर वनपाल बीट गार्ड पर कार्यवाही

बनवार। जबेरा जनपद के पास पारना तालाब के निर्माण में वन विभाग की अनुमति लिए विना तालाब बनाने में ठेकेदार ने जंगल के पत्थरों से इस्तेमाल की खबर प्रकाशित खबर के बाद वन विभाग के द्वारा कार्यवाही करते हुए डिप्टी रेंजर वनपाल बीट गार्ड की लापरवाही सामने आने पर डीएफओ महेंद्र सिंह उइके कार्यवाही करते हुए जबेरा सर्कल के डिप्टी रेंजर किशोर कोरी वनपाल राजेंद्र अहिरवार बीट गार्ड पारना विजय सेन को सस्पेंड करते हुए जांच टीम गठित की है। बता दें तेजगढ़ रेंज के तेजगढ़ रेंज के पारना ग्राम में जल संसाधन विभाग के ठेकेदार द्वारा 28 करोड़ 16 लाख की लागत से तालाब निर्माण किया जा रहा है जिसमे वन विभाग की बिना अनुमति लिए तालाब निर्माण जंगल के पत्थरों का इस्तेमाल किए जाने की सूचना पर 23 अप्रैल को जांच व कार्यवाही हुई थी। जिसकी रिपोर्ट पर ठेकेदार के विरुद्ध वैध उत्खनन करने का मामला दर्ज किया गया। साथ ही जांच प्रतिवेदन आने बाद ठेकेदार के विरुद्ध जुर्माना वसूली की अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

थाना परिसर में काफी देर तक गहमा गहमी का माहौल बना रहा

बांदकपुर जैन समाज ने झूठी शिकायत की जांच के लिये पुलिस को सौंपा ज्ञापन

हिण्डोरिया। बुधवार की अपरांह लगभग 04 बजे ग्राम पंचायत बांदकपुर की सकल जैन समाज एवं पंचायत वासियों ने सरपंच सुनील डबुल्या के नेतृत्व हिंडोरिया थाना पहुँच कर टीआई अमित गौतम को अपना हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में सपना आदिवासी एवं उसकी सास द्वारा की जा रही मारपीट की झूठी रिपोर्ट की सत्यता की जांच करने एवं इसके उपरांत कार्रवाई करने की मांग की गई। साथ ही न्याय पूर्ण , कानून सम्मत एवं संतोषजनक कार्यवाही न होने पर भविष्य में बड़े आंदोलन की धमकी भी इस दौरान दी गई। टीआई श्री गौतम ने ज्ञापन प्राप्त कर इस दिशा में सूक्ष्मता के साथ जांच के उपरांत उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस संम्बन्ध मे सरपंच सुनील डबुल्या ने बताया की सपना आदिवासी के पति आशु जैन के द्वारा चार-पांच दिन पूर्व जैन समाज के बांदकपुर मे आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान शराब पीकर उत्पाद मचाने की घटना की गई थी । जिस पर बांदकपुर पुलिस चौकी की पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई करके जेल भेजा गया था। इसी घटना के पूर्वाग्रह के चलते सपना आदिवासी व्दारा अपनी सास को साथ मे लेकर झूठी रिपोर्ट एसपी दमोह एवं हिण्डोरिया थाने मे की गई थी। इसी झूठी रिपोर्ट की सत्यता की सही से जांच करने ज्ञापन सौपा गया है। वहीं दूसरी ओर सपना आदिवासी का कहना है कि मुझे और मेरे पति आशु जैन को धार्मिक अनुष्ठान में शामिल नहीं होने दिया गया। एवं वहां पर चल रहे भोजन के दौरान मेरा जातिगत अपमान कर मारपीट की गई । एवं मेरे पति को झूठे आरोप लगाकर जेल भेजा गया। साथ ही मेरी सास के साथ भी मारपीट की गई। जिसकी रिपोर्ट हमने एसपी दमोह एवं बांदकपुर चौकी में की है। हिण्डोरिया थाने में भी हम रिपोर्ट कर न्याय मांगने आये हैं। संम्पूर्ण सत्यता पुलिस की निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आएगी। हालांकि पुलिस को इस मामले में सतर्कता, सक्रियता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने की जरूरत है। ताकि भविष्य में कानून व्यवस्था की पुलिस के सम्मुख चुनौती उत्पन्न ना हो।

पशु चिकित्सा विभाग को गौशाला की मैपिंग और पशुओं की टेगिंग के निर्देश

10 मई को अक्षय तृतीया पर कहीं पर भी बाल विवाह ना हो, गठित दल लगातार भ्रमण करें-कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

सभी नगरीय निकायों में नालों की सफाई कराई जा रही हैं। इसे मई माह के अंत तक पूर्ण करना हैं, जिससे जून माह में बारिश की वजह से दिक्कतें ना हो। नगर पालिका दमोह द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही हैं। यह ड्राइव लगातार जारी रहेगी। साथ ही अब विकासखंडवार कार्यवाही की जाएगी। इस आशय के निर्देश कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान दिए। उन्होंने आवारा-बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौशाला में भिजवाने की कार्यवाही पर नगर पालिका दमोह और टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा 30 से ज्यादा पशु पकड़ने की कार्यवाही की गई हैं। अब 10 मई से सभी जनपद पंचायत, ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस तरह की कार्यवाही कराई जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा गौशालाओं की मेपिंग और पशुओं की टेगिंग की कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मीना मसराम सहित जिलाधिकारीगण मौजूद रहे। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा 10 मई को अक्षय तृतीया पर कहीं पर भी बाल विवाह ना हो, इसके लिए गठित दल लगातार भ्रमण करें। धारा 144 का आदेश लागू किया जा रहा है, जो भी बाल विवाह करवा रहे है, साक्षी बन रहे हैं उन पर भी कार्यवाही की जाएगी। इसकी सतत मोनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने सी.एम. हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा समय पर समीक्षा कर प्रभावी निराकरण किया जाए। साथ ही दमोह हेल्पलाइन पर 24 घण्टे में समाधान नहीं होता हैं तो सम्बन्धित अधिकारी एक दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री कोचर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में निर्धारित समय मे सीएचओ सहित अन्य स्वास्थ्य अमला मौजूद रहे। मरीज परेशान ना हो बैसिक फ़ॉलो हो रहे हैं या नही इसके लिए लगातार निरीक्षण अन्य विभाग के अधिकारी भी करेंगे। श्री कोचर ने कहा सीमांकन में बहुत अच्छा कार्य किया गया हैं, इसमें लगातार कार्यवाही की जाए। बताया गया 500 से ज्यादा आवेदनों पर कार्यवाही की जा चुकी हैं, लगातार आवेदन आ रहे हैं। उन्होंने एसडीएम साहिबान से कहा अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा यातायात मार्ग परिवर्तित किया गया हैं, सुझावों पर विचार करें आमजन को यातायात में असानी हो इसका ध्यान रखा जाए। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने नरवाई प्रबंधन, रुक जाना नही, नीट परीक्षा में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों की भूरी भूरी प्रशंसा की।

झलौन के अभय भैया लेगे ब्रम्हचर्य व्रत

झलौन। झलौन ग्राम के प्रथम गौरव बनने जा रहे हमारे अभय जी की कल सुबह 7:30 बजे सकल जैन समाज झलोन द्वारा बिनोली निकाली जा रही है जिसमे आस पास की जैन समाज को भी आमंत्रित किया गया है। अभय भैया को घोड़े मे बैठाकर एवं बैंड बाजो के साथ उनका हर घर मे स्वागत करेगे और कल शुबह 9 बजे भैया जी अपना ग्रह त्याग, मोबाइल त्याग रंगीन एवं सिले हुए वस्त्रों का आजीवन के लिए त्याग कर देगे। और आचार्य समय सागर जी महाराज के प्रथम ब्रम्हचारि 4 भैया लोगो मे से एक अभय भैया जी जाने जायेगे। जो मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के संघ मे रहेगे।